अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष **2025**

थीम: सहकारिता के माध्यम से जैव-ग्राम, प्राकृतिक खेती एवं जलवायु स्मार्ट कृ ष पर प्रचारात्मक कार्यक्रम

स्थान: रमलडीह एवं कोएरीडीह, प्रखंड - देवघर, जिला - देवघर, झारखंड
ति थ: 29/07/2025
आयोजक: NABARD
सहयोगी संस्था: समाधान फ़ाउंडेशन द्वारा सम र्थत ग्राम स्तरीय कसान समूह

पृष्ठभू म:

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घो षत कया गया है। इसी उपलक्ष्य में देवघर जिला के रमलडीह एवं कोएरीडीह गांवों में कसानों के बीच "सहकारिता के माध्यम से जैव-ग्राम, प्राकृतिक खेती, जलवायु स्मार्ट कृ ष एवं सौर गांव" जैसे वषयों पर केंद्रित प्रचारात्मक कार्यक्रम का आयोजन कया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कसानों को सतत कृ ष पद्धतियों से जोड़ते हुए उन्हें सहकारी संगठन के अंतर्गत संगठित करना था।

कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्राकृतिक एवं जै वक खेती की पद्धतियों को बढ़ावा देना।
- जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृ ष को समझना और अपनाना।
- कसानों को सहकारिता के सद्धांतों के तहत संगठित कर सामूहिक प्रयासों को बल देना।
- **NABARD** द्वारा सम र्थत कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता एवं क्षमता वकास।

प्रमुख गति व धयाँ:

1. प्राकृतिक एवं जै वक खेती पर तकनीकी सत्र:
    - स्थानीय संसाधनों के उपयोग से जै वक खाद, जीवामृत, एवं नीम आधारित कीटनाशकों की जानकारी दी गई।
    - कसानों ने अनुभव साझा कए क कस प्रकार प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत घटाई जा सकती है।

2. जलवायु स्मार्ट कृ ष:

   - फसल व वधीकरण, सूखा-रोधी कस्मों, जल संरक्षण तकनीकों और मल्चिंग जैसी व धयों पर चर्चा की गई।
   - मौसम की अनिश्चितता के बावजूद कृ ष उत्पादकता बनाए रखने हेतु उपाय सुझाए गए

3. सौर ऊर्जा आधारित कृ ष:

   - सोलर पंप, सोलर ड्रायर एवं अन्य वैकल्पिक ऊर्जा साधनों पर जानकारी दी गई।
   - केंद्र सरकार, झारखंड सरकार और NABARD द्वारा प्रायोजित सौर ऊर्जा परियोजनाओं की जानकारी दी गई।

4. सहकारी भावना के तहत कसान संगठन:

   - कसानों को बताया गया क सहकारिता के माध्यम से कैसे वे उत्पादन, प्रसंस्करण और वपणन के लए मजबूत बन सकते हैं।
   - **FPO (** कसान उत्पादक संगठन) तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से NABARD की सहायता उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई

उपलब्धियाँ:

- 50 से अ धक कसानों की स क्रय भागीदारी।
- 2 गांवों में जैव-ग्राम की अवधारणा पर वस्तार से चर्चा।
- कसानों में जलवायु जागरूकता और टिकाऊ खेती को लेकर नई सोच वक सत हुई

निष्कर्ष:

"अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025" के अंतर्गत यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल थी, जो कसानों को सामूहिक प्रयासों द्वारा टिकाऊ कृ ष, पर्यावरणीय संतुलन एवं आ र्थक सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित करता है। **NABARD** के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में सतत और सहभागी वकास के लए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं।

National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD)
International Year of Cooperatives
2025
Cooperatives Build a Better World
NABARD
Promotional Events through Cooperatives
Natural farming/ Organic Farming
Smart Agriculture/ Solar Villag
Date :29July 2025
NABARD, Deoghar and Jam
CRSN

रमलडीह पुस्तकालय

NBJK
रमलडीह पुस्तकालय
Gram Seva
SBI FOUNDATION
International Year of Cooperatives
Promotional Events through Cooperatives

NBJK
रमलडीह पुस्तकालय
Gram Seva
SBI FOUNDATION

NBJK
रमलडीह पुस्तकालय
SBI FOUNDATION

रमलडीह पुस्तकालय
SBI FOUNDATION